कक्षा : छह **विषय : हिंदी** **प्रकरण : शब्द–विचार**

शब्द–विचार

भाषा का मैं अंग कहलाऊँ,
वाक्य को मैं पूरा बनाऊँ।
अक्षरों से लेता आकार,
मेरे हैं कई प्रकार,
अर्थ, उत्पत्ति, रचना और
प्रयोग आधार।

ध्वनियों का वह समूह **शब्द** कहलाता है जिसका एक निश्चित अर्थ भी होता है।

परिभाषा – वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

शब्द की कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

शब्द वर्णों के मेल से बनते हैं।

शब्द का एक निश्चित अर्थ होता है।

शब्दों का वाक्य में प्रयोग किया जा सकता है।

रचना के आधार पर शब्द के तीन भेद हैं

रूढ़– जिन शब्दों के खंड नहीं किए जा सकते अथवा जो परंपरा के साथ चलकर किसी प्रचलित अर्थ को ही प्रकट करते हैं उन्हें 'रूढ़' शब्द कहते हैं।
जैसे – घर, घोड़ा, पानी, हवा आदि।

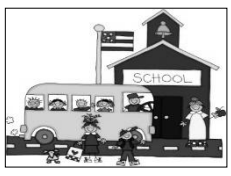

यौगिक– यौगिक शब्द दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बनते हैं। इनके खंड होते हैं, खंडों के अर्थ होते हैं और जो अर्थ शब्द का होता है, वही खंडों का होता है।

जैसे – पाठशाला = पाठ + शाला ,

रसोईघर = रसोई + घर,

प्रधानमंत्री = प्रधान + मंत्री

योगरूढ़– यौगिक शब्दों के समान ही योगरूढ़ शब्द भी दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बनते हैं। इनके खंड भी सार्थक होते हैं पर अर्थ बदल जाता है। ये विशेष अर्थ देते हैं।

जैसे – दशानन = 'दशानन' यानी दस मुखों वाला परंतु इस शब्द का प्रयोग सामान्य अर्थ में न होकर सिर्फ 'रावण' के अर्थ में ही होता है।

गणेश, पंकज, लंबोदर, चतुर्भुज, चिड़ियाघर आदि योगरूढ़ के अन्य उदाहरण हैं।

अभ्यास कार्य

१. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिए।

१. वर्णों के सार्थक और स्वतंत्र समूह को क्या कहते हैं ? .....

२. जिन शब्दों के खंड न हों उन्हें क्या कहते हैं ? .....

३. रचना के आधार पर शब्दों के कितने भेद हैं ? .....

४. जो शब्द दो या अधिक शब्दों के मेल से बनते हैं, वे क्या कहलाते हैं? .....

५. जो शब्द प्रचलित अर्थ देते हैं, उन्हें क्या कहते हैं? .....

६. विशेष अर्थ देने वाले शब्द क्या कहलाते हैं ? .....

२. निम्नलिखित शब्दों को पहचानकर उन्हें रूढ़, यौगिक तथा योगरूढ़ शब्द के सामने लिखिए।

तोता, हिमालय, दशानन, कमल, पाठशाला, विद्यालय, महल, रसोईघर, लम्बोदर, पीतांबर, लड़की, सेना, पंकज, नीलकंठ।

रूढ़	यौगिक	योगरूढ़

३. निम्नलिखित गदयांश को ध्यान से पढ़िए तथा रूढ़, यौगिक तथा योगरूढ़ शब्दों की पहचान कर उन्हें अलग कीजिए।

'पुस्तकालय' यानी 'पुस्तकों का घर'। पुस्तकालय में ज्ञान का भंडार होता है। मेरे विद्यालय में भी एक पुस्तकालय है। मेरे विद्यालय में सैंकड़ों पुस्तकें हैं। सभी विद्यार्थियों को वहाँ जाना बहुत अच्छा लगता है। मैं भी इस प्रतीक्षा में रहता हूँ कि कब पुस्तकालय में जाकर पुस्तकें पढ़ सकूँ। पुस्तकालय में अनेक विषयों की पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ होती हैं, जो हमारा ज्ञान बढ़ाती हैं; जैसे–विज्ञान, सामान्य विज्ञान, हिंदी–साहित्य की पुस्तकें आदि। मुझे कहानियों की पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ पढ़ना बहुत अच्छा लगता है। पुस्तकालय के कुछ नियम होते हैं। हमें उनका पालन करना चाहिए। वहाँ बातचीत की मनाही होती है। हमें वहाँ चुपचाप बैठकर पढ़ना होता है। पुस्तकालय से ली गई पुस्तकों पर कुछ नहीं लिखना चाहिए। पुस्तकालय सभी के लिए होता है। अतः हमें सभी की सुविधा का ध्यान रखना चाहिए। मैं अपने विद्यालय के पुस्तकालय के नियमों का पालन करता हूँ तथा जब भी अवसर मिलता है, वहाँ जाकर पुस्तकें पढ़ता हूँ, जिससे मनोरंजन तो होता ही है, साथ ही ज्ञान में भी वृद्धि भी होती है। मेरा नाम पंकज है और मेरे दोस्त का नाम विनायक है। हमें अपने पुस्तकालय से बेहद लगाव है।

इन्हें याद रखेंगे

- वर्णों के सार्थक समूह को **शब्द** कहते हैं।
- **पद –** शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त हो जाते हैं तो पद कहलाते हैं।
- **रचना के आधार पर शब्द के तीन भेद हैं** – रूढ़, यौगिक और योगरूढ़